www.epitomejournals.com, Vol. I, Issue IV, August 2015, ISSN: 2395-6968

Epitome Journals
International Journal of Multidisciplinary Research

हिंदी के विकास में महात्मा गांधीजी का योगदान

प्रा. राजेंद्र इंगोले

पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
स.गा.म. कॉलेज, कराड
Email ID : rajendraingole9308@gmail.com

Abstract :

निष्कर्ष रुप में कहा जा सकता है कि गांधीजी की दृष्टि में पूरे भारत वर्ष के लिए सम्पर्क भाषा की शक्ति मात्र हिंदी में ही निहित थी। उन्होंने अपने भाषणों, पत्र–पत्रिकाओं, छोटी–बडी संस्थाओं, सभा–सम्मेलनों के माध्यम से आजीवन हिंदी और देश की सेवा की। पूरे देश को स्वभाषा से प्रेम करने की प्रेरणा दी । उनका हिंदी को राष्ट्रभाषा के रुप में अपनाने का सुझाव राष्ट्र के लिए उपकारक साबित हुआ। वे हिंदी को राष्ट्रीय एकता तथा स्वाधीनता के लिए परम आवश्यक साधन मानते थे।

Key Words : राष्ट्रभाषा, गांधीजी, राष्ट्रीय एकता, सम्पर्क भाषा, भारत

 Dr. Pramod Ambadasrao Pawar, Editor-in-Chief ©EJ, All rights reserved.